Please to the Government to observe the birth centenary of great national leader late Rafi Ahmad Kidwai at the national level

श्री अक्षय प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं बहुत ही महत्वपूर्ण विषय की ओर आप के माध्यम से भारत सरकार का ध्यान आकर्षित कर रहा हूं इस आशा और विश्वास के साथ कि इस सुझाव को भारत सरकार कार्यान्वित करने की कृपा करेगी। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राष्ट्रभक्त और कुशल प्रशासक श्री रफी अहमद किदवई की मृत्यु दिल्ली में 24 अक्तूबर, 1954 को हुई थी। उनका जन्म उत्तर प्रदेश के एक छोटे से जिले बाराबंकी के एक ग्राम मसौली में हुआ था। यह स्थान लखनऊ के पास है। 1916 में उन्होंने अपने आप को कांग्रेस से सम्बद्ध किया और 1916 में लखनऊ में जो कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था उसमें उन्होंने हिस्सा लिया था। 1920 में वे कांग्रेस के सदस्य बने और 1921 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आवाहन पर आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। वे अनेक बार जेल गये। नमक के सत्याग्रह आन्दोलन में उन्होंने सक्रिय हिस्सा लिया था और 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में उनको गिरफ्तार कर लिया गया था। उन्होंने भारत के बंटवारे का विरोध किया था। हिन्दू मुसलमान में रफी साहब ने कभी कोई फर्क नहीं देखा। उन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवन में राष्ट्रीय एकता का परिचय दिया जो कम ही लोगों में देखने को मिलता है। वे पंथ निरपेक्षता के जीवन्त प्रतीक थे। उनके सहयोगी पंडित जवाहर लाल नेहरू जी ने उनकी मृत्यु पर कहा था–

> "Rafi Ahmad Kidwai was a Muslim, of course and yet I hardly know of anybody who is more of a thorough Indian in his thought and actions than he was, and not confined to any community.
>
> Now, if you go to his village home at Masouli, you will find a broken-down house, dilapidated, part of the house has not even got a roof over it. This is the house, Rafi Ahmadji lived in for these many years. He had neither the time nor the money to repair it or to put a roof over it when the roof was lacking because his mind and all his resources were engaged in other ways."

रफी साहब हर गरीब और जरूरतमंद की मदद किया करते थे। ऐसे राष्ट्रभक्त की जन्मशती आने वाली है। मेरी मांग है कि श्री रफी अहमद किदवई का जन्मशती समारोह मनाने के लिए केन्द्रीय सरकार राष्ट्रीय स्तर पर एक राष्ट्रीय समिति का गठन करे जिसके अध्यक्ष स्वयं प्रधानमंत्री हों। उनके सम्मान में डाक टिकट निकाला जाय, उनके जीवन पर एक शिक्षाप्रद फिल्म बनाई जाय, उनके भाषणों और विचारों का संकलन प्रकाशित किया जाय और संसद के केन्द्रीय कक्ष में उनका एक आदम-कद चित्र लगाया जाय।

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : मैं भी अपने आप को इससे सम्बद्ध करता हूं।

उपाध्यक्ष (श्रीमती सुषमा स्वराज) : आपकी सम्बद्धता रिकार्ड कर ली गई है।

श्री आनन्द प्रकाश गौतम (उत्तर प्रदेश) : महोदया, क्योंकि मैं बाराबंकी से आता हूं इसलिए मैं इसका समर्थन करता हूं और अपनी एक बात जोड़ना चाहता हूं। चूंकि मसोली में रफी साहब की आज भी मजार बनी हुई है और सारे लोग वहां आते-जाते हैं और मैं समझता हूं कि विश्व के लोग जो धर्म निरपेक्षता में विश्वास रखते हैं वे लोग भी वहां जाते हैं। इसलिए श्री मालवीय जी ने जो मांग की है उससे मैं अपने आप को सम्बद्ध करते हुए उसका समर्थन करता हूं और इस मांग में एक शब्द यह भी जोड़ना चाहता हूं कि चूंकि

[श्री आनन्द प्रकाश गौतम]

रफी साहब गरीब से गरीब लोगों की भावनाओं से जुड़े हुए थे और भारत सरकार के सिक्के भी गरीब से गरीब आदमी के पास जाते हैं, इसलिए उनके नाम का सिक्का संचालित किया जाय।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): Maulana Obaidullah Khan Azmi. He is not here.

अब सदन की बैठक दोपहर बाद 2 बजे कर 42 मिनट तक के लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned for lunch, at forty-four minutes past one of the clock.

The House reassembled, after lunch, at forty-seven minutes past two of the clock, **The Vice-Chairman (Shrimati Jayanthi Natarajan)** in the Chair.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): We will now take up the Passports (Amendment) Bill, 1992. Mr. Salman Khursheed.

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ (Haryana): The Minister is not here.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Yes, the Minister is not here.

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: Then adjourn the House.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): We will send for him. ...(*Interruptions*)...

AN HON. MEMBER: Dr. Abrar Ahmed can move the Bill. ...(*Interruptions*)

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: He does not have the papers.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Then we will take up the next Bill. We will send for the Minister. ...(*Interruptions*)...

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) यह तो सदन की अवमानना है। यह कोई आज नहीं है, कल से घोषित है।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): You are right.

श्री प्रमोद महाजन : मुझे लगता है इस पर आप कहें कि अगला लेंगे, अगला आदमी नहीं होगा तो आप कहेंगे अगला लेंगे (**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): No, I leave it to the House. I agree with you.

AN HON. MEMBER: The Minister has come. ...(*Interruptions*)...

एक माननीय सदस्य : भाटिया जी आ गये हैं।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Now Mr. Bhatia is here. We can take up the Passports (Amendment) Bill.

श्री प्रमोद महाजन : मंत्री जी खेद तो प्रकट करें थोड़ा।

श्रीमती सुषमा स्वराज : इनको तो अढ़ाई बजे यहां पर आना चाहिये था।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R. L. BHATIA): Madam, I am sorry, I came late.

THE PASSPORTS (AMENDMENT BILL, 1992

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS